तवक्कुल (अल्लाह पर भरोसा) और अल्लाह के खौफ से रोना

मौलाना मुहम्मद इमरान कासमी बिज्ञानवी.

एक हज़ार मुन्तखब हदीसे मिश्कात शरीफ हिन्दी.

'नोट:- हदीष की रिवायत का खुलासा है.'

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

तवक्कुल (अल्लाह पर भरोसा) और सबर की फजीलत

*तिर्मेज़ी, इब्ने माजा, रावी हज़रत उमर बिन खत्ताब रदी:> रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया अगर तुम अल्लाह तआला पर सही तवक्कुल करो तो अल्लाह तआला तुम्हें रिज़क देगा जैसा की वह परिन्दों को रिज़क देता है, की वे सुबह सवेरे भूखे जाते है और शाम को पेट भरकर लौटते है.

*तिर्मेज़ी, रावी हज़रत अब्दुल्लाह बिन अब्बास रदी:> में रसूलुल्लाहﷺ के पीछे सवार था, आपने फरमाया ऐ लडके अल्लाह तआला के अहकामात की हिफाज़त करो, अल्लाह तआला तुम्हारी हिफाज़त करेगा. अल्लाह तआला के हुकूक की हिफाज़त करो तो अल्लाह तआला को अपने सामने पाओगे, और जब तुम सवाल का इरादा करो तो अल्लाह तआला से सवाल करो, और तुम्हें मदद तलब

करनी हो तो अल्लाह तआला से मदद तलब करो, और यकीन करो की (मान लो) तमाम मख्लूक अगर तुम्हें कुछ फायदा पहुंचाने के लिए जमा हो जाए तो तुम्हें सिर्फ उसी कदर फायदा पहुंचा सकती है जिस कदर अल्लाह तआला ने तुम्हारे मुकद्दर में लिख दिया है, और अगर तमाम मख्लूक तुम्हें कुछ तकलीफ देने के लिए जमा हो जाए तो तुम्हें सिर्फ उसी कदर तकलीफ दे सकती है जिस कदर अल्लाह तआला ने तुम्हारे बारे में लिख दी है, कलम उठा दिए गए है (अहकामात लिख दिए जाने से रूक गए है) और सहीफों (किताबों) की सियाही खुश्क हो चुकी है.

अल्लाह के खौफ से रोना और उसके अज़ाब से डरना

*तिर्मेजी, रावी हज़रत उबई बिन काब रदी:> जब रात का दो तिहाई हिस्सा गुज़र जाता तो रसूलुल्लाहﷺ तहज्जुद की नमाज़ के लिये खडे होते और दो मरतबा फरमाते ऐ लोगो अल्लाह तआला को याद करो, फिर फरमाते यकीनन ज़लज़ला आने वाला है यानी पहला सूर फूंका जाने वाला है जिसके साथ ही सब मर जाएंगे, उसके बाद दूसरा सूर भी आ रहा है यानी पहले सूर के बाद दूसरा सूर भी बस फूंका जाने वाला है जिसकी आवाज़ पर सब दोबारा जिन्दा हो जाएंगे और अपनी अपनी कबरों से उठकर मैदाने हषर में जमा हो जाएंगे. फिर आपﷺ ने दो मरतबा फरमाया कि मौत अपने से जुडी तमाम

सख्तियो के साथ आ-रही है.

*तिर्मेजी, रावी हज़रत अब्दुल्लाह बिन अब्बास रदी:> हज़रत अबू बकर रदी ने पूछा ऐ अल्लाह के रसूल! आप तो बुढे हो चुके है? आपﷺ ने फरमाया- मुझे सूरे हूद, सूरे अल-वाकिआ, सूरे अल-मुरसलात, सूरे अन-नबा और सूरे अत्तक्वीर ने बुढा कर दिया है.
मतलब- इन सूरतों में कियामत के हौलनाक हालात का तज़किरा है.
अधिक मालूमात के लिये पढिये इन सूरतो के तर्जुमा व तफसीर.